6 नईदुनिया
जबलपुर, सोमवार 20 जुलाई,

शहर के कृषि वैज्ञानिक को मिला आईसीएआर का सर्वश्रेष्ठ अवार्ड

जबलपुर (नईदुनिया रिपोर्टर)। शहर के वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक (खरपतवार एक्सपर्ट) डॉ.अनिल दीक्षित को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने कृषि के सबसे

बड़े और महत्वपूर्ण अवार्ड फखरुद्दीन अली अहमद अवार्ड से सम्मानित किया है। उन्हें यह अवार्ड छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा-सुकमा में आदिवासी किसान के लिए किए गए बेहतर कार्यों के लिए मिला। राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान के 92 वें स्थापना दिवस के मौके पर नईदिल्ली में वीडियो कांफ्रेंस के दौरान उन्हें इस अवार्ड से सम्मानित किया गया। वर्तमान में डॉ.दीक्षित रायपुर के आईसीएआर में वरिष्ठ वैज्ञानिक के पद पर पदस्थ हैं। वे जबलपुर के खरपतवार अनुसंधान निदेशालय महाराजपुर में भी पदस्थ थे, जहां रहते हुए उन्होंने किसान, खरपतवार, अनुसंधान और प्रसार जैसे क्षेत्र में बेहतर काम किया और किसानों को खरपतवार की समस्या से न सिर्फ राहत दिलाई बल्कि इस पर होने वाले खर्च को भी काफी कम किया। यह अवार्ड मिलने पर उन्हें डीन व डायरेक्टर ने बधाई दी है।

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
रायपुर, शनिवार, 18 जुलाई 2020

डॉ दीक्षित फकरूदीन अली अहमद आवार्ड से पुरस्कृत

रायपुर। आईसीएआर के 92 वें स्थापना दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में वीडयों कांफ्रेंसिंग द्वारा डॉ अनिल दीक्षित प्रधान वैज्ञानिक आईसीएआर रायपुर को आदिवासी क्षेत्र बस्तर में उत्कृष्ट कृषि अनुसंधान हेतु राष्ट्रीय स्तर का

फकरूदीन अली अहमद आवार्ड से पुरस्कृत किया गया। डॉ दीक्षित कृषि कल्याण अभियान के दौरान दंतेवाड़ा व सुकमा जिले के भारत सरकार द्वारा नोडल अधिकारी नियुक्त किये गये थे। जिसके तहत उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र के सहयोग से आदिवासी किसानों के लिए उत्कृष्ट सेंवाएं दी। इसके तहत सर्वप्रथम कृषकों से जुड़ी समस्याओं को सूचीबद्ध किया, जिसमें स्थानीय कम उत्पादन देने वाले लोगों की कमी व मजदूरी के लिए पलायन करना मुख्य समस्याएं थी। इन समस्याओं को जानने के लिये कृषकों से संपर्क, प्रक्षेण भ्रमण, अंग्रिम पंक्ति प्रदर्शन, कृषक दिवस, प्रक्षेत्र दिवस व कृषकों के विचारों को भी समायोजन किया।

रायपुर, शनिवार 18 जुलाई

न्यूज गैलरी

आइसीएआर से सम्मानित हुए डॉ. अनिल दीक्षित

रायपुर। राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान के 92 वें स्थापना दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आईसीएआर रायपुर के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अनिल दीक्षित फकरूदीन अली अहमद अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान आदिवासी क्षेत्र बस्तर में उत्कृष्ट कृषि अनुसंधान के लिए मिला है। डॉ. दीक्षित ने कृषि कल्याण अभियान के दौरान दंतेवाड़ा और सुकमा जिले के भारत सरकार की ओर से नोडल अधिकारी नियुक्त किए थे, जिसके तहत उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र के सहयोग से आदिवासी किसानों के लिए उत्कृष्ट सेवाएं दी। इसी के मद्देनजर उन्हें सम्मानित किया गया।

डॉ. अनिल दीक्षित।

शहर के डॉ. अनिल को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

सिटी रिपोर्टर | भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के 92वें स्थापना दिवस पर शहर के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अनिल दीक्षित को आदिवासी क्षेत्रों में उत्कृष्ट कृषि अनुसंधान कार्यों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा गया। उन्हें फ़ख़रुद्दीन अली अहमद अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह नई दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुआ। डॉ. अनिल ने कृषि कल्याण अभियान के तहत राज्य के कई जिलों के किसानों को बेहतर पैदावार के लिए ट्रेनिंग दी है। उन्होंने किसानों से जुड़ी समस्याओं को सूचीबद्ध करने के साथ ही उनके समाधान पर भी काम किया है। इसी के लिए उन्हें अवॉर्ड से नवाजा गया। डॉ. अनिल ने ये अभियान डॉ. आदिकांत प्रधान, डॉ. एसके नाग और डॉ. अभिनव साव की मदद से किया।

डॉ दीक्षित फकरूदीन अली अहमद आवार्ड से पुरस्कृत

रायपुर। आईसीएआर के 92 वें स्थापना दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में वीडयों कांफ्रेंसिंग द्वारा डॉ अनिल दीक्षित प्रधान वैज्ञानिक

आईसीएआर रायपुर को आदिवासी क्षेत्र बस्तर में उत्कृष्ट कृषि अनुसंधान हेतु राष्ट्रीय स्तर का फकरूदीन अली अहमद आवार्ड से पुरस्कृत किया गया। डॉ दीक्षित कृषि कल्याण अभियान के दौरान दंतेवाड़ा व सुकमा जिले के भारत सरकार द्वारा नोडल अधिकारी नियुक्त किये गये थे। जिसके तहत उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र के सहयोग से आदिवासी किसानों के लिए उत्कृष्ट सेंवाएं दी। इसके तहत सर्वप्रथम कृषकों से जुड़ी समस्याओं को सूचीबद्ध किया, जिसमें स्थानीय कम उत्पादन देने वाले लोगों की कमी व मजदूरी के लिए पलायन करना मुख्य समस्याएं थी।

इन समस्याओं को जानने के लिये कृषकों से संपर्क, प्रक्षेण भ्रमण, अंग्रिम पंक्ति प्रदर्शन, कृषक दिवस, प्रक्षेत्र दिवस व कृषकों के विचारों को भी समायोजन किया। जिसके उपरांत वर्षा जल प्रबंधन से जल उपयोग क्षमता में बढ़ोत्तरी हुई, उचित फसल व्यवस्था व सघन कृषि को बढ़ाने हेतु अंतरवर्ती, व द्विफसलीय कृषि को प्राथमिकता देते हुए जलवायवीय दशाओं के अनुरूप फसल उत्पादन को बढ़ावा दिया गया।

इन कार्यों को संपादित करने में दल प्रमुख डॉ आदिकांत प्रधान, प्रधान वैज्ञानिक, शुष्क खेती परियोजन, शगु कृषि महाविद्यालय, जगदलपुर, डॉ एस के नाग, डॉ अभिनव साव, कृषि महाविद्यालय रायपुर, आईसीएआर जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान, रायपुर के प्रधान वैज्ञानिक डॉ अनिल दीक्षित ने संयुक्त रूप से कार्यों को संपादित किया।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता

संचालन इजा. सागर श्रीवास्तव ने किया।

डॉ. दीक्षित को राष्ट्रीय अवॉर्ड

जबलपुर।
आईसीएआर के स्थापना दिवस पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शहर के डॉ. अनिल दीक्षित, प्रधान वैज्ञानिक आईसीएआर रायपुर को आदिवासी क्षेत्र बस्तर में उत्कृष्ट कृषि अनुसंधान के लिए राष्ट्र स्तरीय फखरुद्दीन अली अहमद अवॉर्ड प्रदान किया गया है।पी-2

कृषक जगत
खरीफ-खरपत
20 जुलाई

डॉ. दीक्षित राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित

रायपुर। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (आईसीएआर) के 92 वें स्थापना दिवस पर एनआईबीएसएम रायपुर के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अनिल दीक्षित को बस्तर में उत्कृष्ट कृषि अनुसंधान के लिए राष्ट्रीय स्तर का फखरुद्दीन अली अहमद अवॉर्ड के साथ एक लाख रुपए की नकद राशि से पुरस्कृत किया गया। उक्त सम्मान समारोह नई दिल्ली में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से हुआ। डॉ. दीक्षित को भारत सरकार द्वारा कृषि कल्याण अभियान के तहत दंतेवाड़ा और सुकमा जिले का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया था। जिसमें उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र के सहयोग से आदिवासी कृषकों को बेहतर उत्पादन के लिए प्रशिक्षण दिया और उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान कीं।

नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा
Rajdhani - 18 Jul 2020 - 18raj5

स्थापना दिवस पर फखरुद्दीन अली अहमद अवार्ड से किया गया सम्मानित

चार कृषि वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय अवार्ड

◆ नवभारत रिपोर्टर। रायपुर.
www.navabharat.org

प्रदेश के चार कृषि वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय अवार्ड से सम्मानित किया गया है. प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. आदिकांत प्रधान शहीद गुंडाधूर कृषि महाविद्यालय जगदलपुर, डॉ. एसके नाग कृषि विज्ञान केंद्र जगदलपुर, डॉ. अभिनव साव कृषि महाविद्यालय रायपुर एवं डॉ. अनिल दीक्षित जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान रायपुर को संयुक्त रूप से फखरुद्दीन अली अहमद अवार्ड से सम्मानित किया गया है. गुरुवार को ऑनलाइन हुए भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के स्थापना दिवस पर इस अवार्ड की घोषणा की गई है.

कृषि वैज्ञानिकों ने कृषकों से जुड़ी समस्याओं को सूचीबद्ध किया. इसमें स्थानीय कम उत्पादन देने वाली किस्में, बिखरे हुए रूप में कृषि करना, मुख्य कृषि कार्यों के समय कृषि कार्य करने वाले लोगों की कमी एवं मजदूरी के लिए पलायन करना मुख्य समस्याएं थी. इन समस्याओं को जानने के लिए कृषकों से संपर्क, प्रक्षेत्र भ्रमण, अंग्रिम पंक्ति प्रदर्शन, कृषक दिवस, प्रक्षेत्र दिवस एवं कृषकों के विचारों का भी समायोजन किया. इसके बाद वर्षा जल प्रबंधन, फसल पद्धति, खरपतवार प्रबंधन, अनुसंशित किस्मों का मूल्यांकन, कृषि में ऊर्जा प्रबंधन एवं वैकल्पिक भू-उपयोग जैसे कार्यों का अनुसंधान कर किसानों के खेत में तकनीकी हस्तांतरण योजनाबद्ध तरीके से किया गया. इन कार्यों को करने के लिए कृषि विज्ञान केंद्र जगदलपुर एवं आईसीएआर राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान रायपुर के वैज्ञानिकों द्वारा सहयोग प्राप्त कर कार्यों को सम्पादित किया गया. आईसीएआर अवार्ड प्राप्त करने वाले समस्त वैज्ञानिकों को महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एचसी नंदा ने बधाई दी है.

Four scientists from Chh'garh receive ICAR National Award

For outstanding research in Tribal Farming Systems – 2019

Receive Rs 1 lakh cash award

Central Chronicle News

Raipur, Jul 18: Four scientists from Chhatisgarh namely Dr. Anil Dixit, Principal Scientist (Agronomy) from ICAR-National Instt of Biotic Stress Management, Dr Adikant Pradhan , Dr S.K.Nag and Dr Abhinav Sao from Indira Gandhi Agriculture University Jagdalpur received most prestigious ICAR's Fakhruddin Ali Ahmed Award for Outstanding Research in Tribal Farming Systems 2019 in Bastar region of Chhattisgarh. This award was given on 92nd Foundation day of ICAR and Award ceremony through Video Conferencing by the Chief guest Agriculture Minister and Farmers Welfare Narendra Singh Tomar. The award carries citation and cash prize of one lakh which will be shared among four outstanding scientists who brings laurels to the state and country as whole. Dr Anil Dixit was appointed as Nodal officer during Krishi Kalyan Abhiyan programme run at Dantewada and Sukma tribal belt. The work of this team was mainly focused for the constraints of local varieties of rice, pulses and oilseeds; fragmented land holding, low productive agriculture, early and mid season dry spell, negligible winter rain, labour problem during peak agriculture, migration to earn wage. These were identified through farmers' interactions, field visits, FLDs, organizing Krishi mela, field day and feed backs from farmers as well as line departments.

www.ehitavada.com ▪ Published simultaneously from NAGPUR, RAIPUR, JABALPUR, BHOPAL • SATURDAY • JULY 18 • 2020 16+32 Pages • Rs 5.00 • Final Edition

RAIPUR

TheHitavada

THE PEOPLE'S PAPER • SINCE 1911

Fakhruddin Ali Ahmed Award to four scientists

■ Scientists Dr Adikant Pradhan, Dr S K Nag, Dr Abhinav Sao from IGKV and Dr Anil Dixit from ICAR-NIBSM Raipur bring laurels to Chhattisgarh

■ **Staff Reporter**
RAIPUR, July 17

FOUR agricultural scientists from Chhattisgarh have received Fakhruddin Ali Ahmed Award for Outstanding Research in Tribal Farming Systems 2019.

Four agricultural scientists namely- Principal Scientist of Indian Council of Agricultural Research (ICAR)- National Institute of Biotic Stress Management, Raipur Dr Anil Dixit, Scientist of Department of Genetics and Plant Breeding, IGKV Raipur Dr Abhinav Sao, Senior Scientist and Head, Krishi Vigyan Kendra, IGKV Jagdalpur, Bastar Dr S K Nag and Chief Scientist of AICRPDA, S G CARS, IGKV Jagdalpur Dr Adikant Pradhan have been selected by the ICAR.

Talking to 'The Hitavada,' Principal Scientist Dr Anil Dixit said that the scientists of the State have brought laurels to the Sate after receiving the most prestigious ICAR's Fakhruddin Ali Ahmed Award for Outstanding Research in Tribal Farming Systems 2019 in Bastar region.

This award was given on the occasion of 92nd Foundation day of ICAR through video conferencing on Thursday. Union Minister of Agriculture & Farmers' Welfare Narendra Singh Tomar was the chief guest at the programme.

Dr Anil Dixit

Dr Anil Dixit was appointed as Nodal officer during Krishi Kalyan Abhiyan programme run in tribal dominated Dantewada and Sukma districts.

Principal Scientist Dr Dixit said that the work was mainly focused on the constraints of local varieties of rice, pulses and oilseeds; fragmented land holding, low productive agriculture, early and mid season dry spell, negligible winter rain, labour problem during peak agriculture, migration to earn wage. These were identified through farmers' interactions, field visits, FLDs, organising Krishi mela, field day and feed backs from farmers as well as departments.

On station experiments focused on the themes viz, rain water management, crops and cropping system, weed management, evaluation of improved varieties, energy management and alternate land use system. Research findings on contingent crop planning, improved varieties/hybrids, nutrient management in framing potential technological strategy for reducing pitfall of farming system were quite useful. Rain water management to improve its use efficiency, crop diversification and intensification through intercropping and double cropping to enhance system productivity under vagaries of rainfall scenario, mechanization for reducing cost of labour and livestock based livelihood activity have improved productivity of crops and the profitability increased by 2-3 time over targeted crops. The outcomes of research and technological applied under the project have been taken for upscaling through MGNERA, watershed, ATMA, NABARD, Pragati Prayas-Dantewada and Amar Jyoti: The Rural Development Society-Gunpur flagship programmes in across 9 rainfed farming districts of Chhattisgarh. Weed management of different farming situations with integrated approaches increased farm income tremendously with collaboration of ICAR-NIBSM, Raipur. Double cropping on lowlands of marginal and small farmers was targeted with community fencing which was financial supported by district administration at various villages through KVKs.

The team consisted of Dr Adikant Pradhan, Dr S K Nag, Dr Abhinav Sao from IGKV and Dr Anil Dixit from ICAR-NIBSM, Raipur for this commendable and achievement at national level.

It may be mentioned that the ICAR has been recognising and rewarding the institutions, scientists, teachers, farmers and agricultural journalists every year. This year; nearly 160 awardees under 20 different categories have been selected. These comprise three Institutions, two AICRP, 14 KVKs, 94 Scientists, 31 farmers, 6 journalists and 10 staff members of various ICAR Institutes. It is heartening to note that of the 141 awarded persons 19 are women.

www.ehitavada.com ■ Published simultaneously from NAGPUR, RAIPUR, JABALPUR, BHOPAL • MONDAY • JULY 20 • 2020 12 Pages • Rs 4.00 • Final Edition

JABALPUR

The Hitavada

THE PEOPLE'S PAPER • SINCE 1911

BRIEFS

Dr Anil Dixit bags Fakhruddin Ali Ahmed Award

■ **Staff Reporter**

Dr Anil Dixit

IT'S a matter of pride for the city that Dr Anil Dixit has bagged Fakhruddin Ali Ahmed Award presented by the Indian Council of Agricultural Research for his valuable research in the area of Integrated Weed Management in crops and cropping system in Tribal areas.

Dr Dixit started his career from Directorate of Weed Science, Jabalpur as ARS Scientist in 1993 and was promoted to Principal Scientist through Direct selection in 2009. Working on different research projects, Dr Dixit is working as Principal Scientist in ICAR-National Institute of Biotic Stress Management, Raipur.

पत्रिका

patrika.com
@patrikachhattisgarh
@cgpatrika
patrika_chhattisgarh

डॉ. दीक्षित को कृषि अनुसंधान के लिए आईसीएआर अवॉर्ड

रायपुर @ पत्रिका. भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के 92वें स्थापना दिवस पर रायपुर स्थित जैविक स्ट्रैस प्रबंधन संस्थान में पदस्थ वैज्ञानिक डॉ. अनिल दीक्षित को आईसीएआर का सबसे प्रतिष्ठित फकरुद्दीन अली अहमद पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। डॉ. दीक्षित को यह पुरस्कार आदिवासी क्षेत्र बस्तर में उत्कृष्ट कृषि अनुसंधान के लिए प्रदान किया गया है। वे खरपतवार के प्रसिद्ध वैज्ञानिक हैं। इस कार्य को डॉ. अनिल दीक्षित ने जगदलपुर के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. आदिकांत प्रधान, कृषि विज्ञान केन्द्र बस्तर के डॉ. एसके नाग, कृषि महाविद्यालय रायपुर के डॉ. अभिनव साव के साथ संयुक्त रूप से किया है। पूरी टीम को पुरस्कार के लिए प्रशस्ति पत्र और एक लाख रुपए नकद प्रदान किए गए हैं।

अनिल दीक्षित

कृषि के लिए डॉ. दीक्षित को सम्मान

रायपुर| राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधक संस्थान रायपुर के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अनिल दीक्षित को खरपतवार प्रबंधन पर किए गए शोध के लिए लुधियाना के पंजाब कृषि विवि में फेलोशीप सम्मान प्रदान किया गया।

उपस्थिति अतिथियों ने इस मौके पर डॉ. दीक्षित के शोध की सराहना करते हुए कहा कि उनका शोध किसानों की सबसे बड़ी समस्या का समाधान है। उन्हें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्व महानिदेशक डॉ. आरएस परौदा और डॉ. गुरुवचन सिंह अध्यक्ष कृषि वैज्ञानिक नियुक्ति मंडल ने सम्मानित किया। डॉ. दीक्षित कृषि शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे अनुसंधान के लिए सोसाइटी ऑफ एग्रोनोमी नई दिल्ली से भी सम्मानित हो चुके हैं। उन्होंने फसलों में नए शाकनाशी रसायनों के प्रयोग व उनकी तकनीकी विषयों पर विशेष उल्लेखनीय कार्य किया है।

डॉ. दीक्षित सम्मानित

रायपुर। राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. अनिल दीक्षित को फैलो अवार्ड से सम्मानित किया गया है। जबलपुर स्थित खरपतवार विज्ञान निदेशालय द्वारा आयोजित रजत जयंती समारोह में डॉ. दीक्षित को विभिन्न शोधों के लिए पुरस्कृत किया गया है।

डॉ. दीक्षित ने राष्ट्रीय स्तर के लिए वीड एटलस विकसित किया है, जिसको उच्चस्तर पर विशेष रुप से सराहा गया है। डॉ. अनिल दीक्षित भारतीय कृषि नियुक्ति मंडल द्वारा चयनित छत्तीसगढ़ के प्रथम वैज्ञानिक हैं, यह चयन परीक्षा राष्ट्रीय स्तर पर कृषि अनुसंधान सेवा के लिये आपने हाल ही में स्थापित राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान रायपुर में प्रमुख वैज्ञानिक के पद पर नियुक्त हुए हैं।

यह संस्थान भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा स्थापित छत्तीसगढ़ का एकमात्र मानद विवि के रुप मे मान्यता प्राप्त संस्थान है जो विशेष रुप से पौध संरक्षण (खरपतवार, कीट एवं बीमारी) क्षेत्र में अनुसंधान एवं शिक्षा के कार्य कर रहा है।

State scientist feted for making 'Weed Atlas'

Smita Mainkar | TNN

TOI

Anil Dixit receiving award for his research work on weed science

Raipur: National Institute of Biotic Stress Management's principal scientist Anil Dixit has received fellow award from Directorate of Weed Science Research for his research on 'herbicide recommendation on different field crops' and preparing a 'Weed Atlas' which will give information on any type of weed in the country.

Dixit said, "Research work on weed management is basically about practises/ techniques that can be applied for removal of weeds.

Established in 2012 in Raipur, National institute of Biotic Stress Management is the only institute for addressing the impact of biotic stress and harness potentials of emerging tools of biotechnology in agriculture. "This is the only institute of its kind and is on the lines of becoming a deemed university. It is working for plant protection with an aim to increase crop productivity by using mitigation measures for biotic stresses in agriculture," added he. Dixit said, "We hope to introduce MSc and PhD courses by 2015. Farmers here lack awareness, therefore, in order to educate them more, we plan to provide all information to them from herbicide to techniques."

"Chhattisgarh has majorly Kharif crop and farmers here need to have more knowledge about cropping and weed management techniques for ensuring better productivity."